वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 229 | मंगलवार 16 दिसम्बर 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@... पेज 2

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप नवकार का गेट टू गेदर कार्यक्रम सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप की सप्तम मीटिंग संघी जी की नसिया,आगरा रोड पर सम्पन्न हुई। ग्रुप अध्यक्ष मोहनलाल गंगवाल द्वारा ने बताया कि प्रातः मन्दिर जी में शांति धारा एवं पंच परमेष्टि के विधान की पूजा सदस्यों द्वारा की गई। सुबह के चाय नाश्ते के बाद मीटिंग की कार्यवाही शुरू हुई, मंगला चरण शशी सेन जैन, चन्द्र कांता छाबड़ा, कौशल्या जैन, प्रेमलता सेठी,निर्मल रारा द्वारा किया गया, मुख्य अथिति श्रीमती मंजू पाटनी एवं दीप प्रज्वलित श्रीमती कनक देवी पांड्या द्वारा किया गया, जिन्हें साफा, दुपट्टा,माला पहना कर सम्मानित किया गया। डॉ.विनोद कुमार शाह अध्यक्ष संघी जी की नसिया का सम्मान किया गया। उसके बाद मनोरंजन कार्यक्रम एवं हाऊजी/तंबोला श्रीमती शशी सेन जैन, चन्द्र कांता छाबड़ा, जयंती जैन द्वारा करवाया गया। ग्रुप द्वारा 10 लक्की ड्रा द्वारा गिफ्ट वितरण किया गया। रजिस्ट्रेशन एवं वर्ष 2026 के लिए नवीनीकरण शुल्क कैलाश चन्द सेठी, अजीत कुमार जैन, ज्ञान चन्द गंगवाल, प्रेम चन्द गंगवाल एवं दिनेश कुमार जैन,एडवोकेट द्वारा किया गया। लंच में चूरमा दाल बाटी के साथ में वर्ष 2025 की मीटिंग सम्पन्न हुई। सभी सदस्यों द्वारा कार्यक्रम की बहुत सराहना की गई एवं सदस्यों द्वारा अध्यक्ष मोहनलाल गंगवाल का सम्मान किया गया। सुरेश जैन बांदीकुई द्वारा सभी सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित किया गया। **प्रेषक : मोहनलाल गंगवाल, अध्यक्ष**

ट्रांसयमुना कॉलोनी जैन मंदिर में धूमधाम से मना भगवान श्री चंद्रप्रभु जन्मकल्याणक

आगरा. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन समिति, ट्रांसयमुना कॉलोनी के तत्वावधान में सोमवार को श्री चंद्रप्रभु भगवान का जन्म कल्याणक महोत्सव अत्यंत श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया।इस अवसर पर ट्रांसयमुना कॉलोनी स्थित श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन पंचायती मंदिर में पुष्पेंद्र जैन,राजेश जैन,कुमार मंगलम जैन,प्रकाश केसवानी,द्वारा ध्वजारोहण किया गया,जिसके पश्चात मंदिर परिसर से भगवान श्रीजी की प्रतिमा को सुसज्जित रथ में विराजमान कर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। बैंड-बाजों और जयकारों के बीच निकली शोभायात्रा का शुभारंभ राकेश जैन दिनेश जैन परिवार द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। शोभायात्रा में सौधर्म इंद्र के स्वरूप में देवेंद्र जैन, महेंद्र इंद्र के रूप में मुकेश जैन,ईशान इंद्र के स्वरूप में कमल जैन,सारथी सुनील जैन तथा धन कुबेर के स्वरूप में बादल जैन आकर्षण का केंद्र रहे। सात राजकुमार घोड़े पर सवार होकर चल रहे थे,जैन धर्म पर आधारित मनोहारी झांकियां श्रद्धालुओं को विशेष रूप से आकर्षित कर रही थीं।शोभायात्रा ट्रांसयमुना कॉलोनी के विभिन्न ब्लॉकों से होकर पुनः जैन मंदिर पहुंची,जहां श्रीजी का स्वर्ण कलशों से भव्य अभिषेक किया गया। बाहर से पधारे सभी अतिथियों का मंदिर कमेटी द्वारा स्वागत सम्मान किया गया। कार्यक्रम के समापन पर सभी भक्तों के लिए वात्सल्य भोज की व्यवस्था की गई।सायंकाल 7 बजे संगीतमय मंगल आरती तथा रात्रि 8 बजे संस्कार जैन द्वारा भजन संध्या का आयोजन किया गया। रथयात्रा की व्यवस्था णमोकार बधु महिला मंडल एवं ट्रांसयमुना कॉलोनी महिला इकाई द्वारा की गई।कार्यक्रम का संचालन चंद्रकांत जैन ने किया।इस अवसर पर आगरा दिगंबर जैन परिषद के महामंत्री मनीष जैन ठेकेदार, सतीशचंद जैन,विमल जैन सुनील जैन ठेकदार,रविन्द्र जैन,वैभव जैन,मोहित जैन,पंकज जैन,सिद्ध जैन,केतन जैन, विजय जैन,सुनील जैन,कंचन जैन, नीलम जैन,अंजना जैन,खुशबू जैन, ममता जैन,सहित जैन ट्रांसयमुना कॉलोनी जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मीडिया प्रभारी: शुभम जैन

बापूनगर भीलवाड़ा से 18 तीर्थंकरों की जन्मभूमि की वंदना के लिए एक यात्रीदल रवाना हुआ

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

18 तीर्थंकरों की जन्मभूमि वंदना यात्रा संघ के तत्वावधान में मुनि विभक्त सागर महाराज के आशीर्वाद से बापू नगर स्थित श्री पदम प्रभु दिगंबर जैन मंदिर से 25 यात्रियों का दल यात्रा के लिए प्रस्थान हुआ। प्रचार संयोजक प्रकाश पाटनी ने बताया कि श्री पदम प्रभु दिगंबर जैन मंदिर के बाहर सभी यात्रीगण पहुंचे। जहां समाजजन एवं परिवारजनों ने यात्रियों के तिलक लगाकर माल्यार्पण द्वारा स्वागत किया। लक्ष्मीकांत जैन, पूनम चंद सेठी, राजेंद्र सोगानी के नेतृत्व में 15 दिसंबर को सायंकाल 5:30 बजे 18 तीर्थंकरों की जन्म भूमि यात्रा वंदना के लिए पदम प्रभु भगवान के दर्शन कर जयकारों के साथ रवाना हुए। यात्रा तिजारा, बड़ागांव, हस्तिनापुर, अहिक्षेत्र, बटेश्वर, कंम्पिला, अयोध्या, रतनपुरी, श्रावस्ती, बनारस, सिहपुरी, सारनाथ, चंद्रपुरी, काकन्दी, इलाहाबाद, कौशाम्बी, प्रभास गिरी, फिरोजाबाद, मथुरा, महावीर तीर्थ क्षेत्र यात्रा करते 26 दिसंबर को प्रातः भीलवाड़ा लोटेंगे। लक्ष्मीकांत जैन ने बताया कि बापू नगर दिगंबर जैन समाज से पहली बार 11 दिनों की यात्रा होगी। यात्रियों में उत्साह उमंग देखते ही बनता है।

जियो-क्रेडिट ने लॉन्च किया एआई आधारित ब्रांड कैंपेन

एआई से तैयार ब्रांड फिल्म के जरिए बताई भारतीयों के सपनों की कहानी

मुंबई. जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड की लेंडिंग सब्सिडियरी जियो-क्रेडिट लिमिटेड (JCL) ने अपना नया ब्रांड मार्केटिंग कैंपेन #HarBadeSapneKePeeche लॉन्च कर दिया है। यह कैंपेन हर भारतीय के सपनों और उनकी आकांक्षाओं को समर्पित है। कैंपेन के केंद्र में एआई-पावर्ड ब्रांड फिल्म है, जिसमें भारतीयो के सपनों की झलक दिखाई गई है, जैसे पहला घर खरीदने का सपना, युवा उद्यमी का अपनी बेकरी शुरू करने का साहस और एक बहन द्वारा भाई की शिक्षा का सपना साकार करने की कहानी। कैंपेन डिजिटल प्लेटफॉर्म, सोशल मीडिया, प्रिंट, रेडियो और आउटडोर मीडिया पर व्यापक स्तर पर चलाया जाएगा।जियो क्रेडिट ग्राहक-केंद्रित डिजिटल यात्रा को आगे बढ़ाते हुए होम लोन, लोन अगेंस्ट प्रॉपर्टी, लोन अगेंस्ट सिक्योरिटीज और कॉर्पोरेट लेंडिंग जैसे विविध समाधान प्रदान कर रहा है। ये सेवाएं जियो क्रेडिट की वेबसाइट, जियोफाइनेंस ऐप पर उपलब्ध हैं। जियो क्रेडिट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ कुसल रॉय ने कहा कि "कम समय में ग्राहकों से मिला भरोसा कंपनी के बढ़ते लोन बुक में साफ झलकता है। उन्होंने कहा कि जियो क्रेडिट का फोकस क्रेडिट को अधिक लोकतांत्रिक, सहज और किफायती बनाने पर है, जिसमें एआई आधारित नवाचार केंद्रीय भूमिका निभा रहा है।"

फागी में जैन धर्म के 8वें तीर्थंकर भगवान चंद्रप्रभु एवं 23 वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का 2902वां जन्म कल्याणक एवं तप कल्याणक महोत्सव मनाया

फागी. शाबाश इंडिया। कस्बे सहित परिक्षेत्र के चकवाडा, चोरू,नारेड़ा,मंडावरी, मेहंदवास, निमेडा, लसाडिया तथा लदाना सहित कस्बे के जिनालयों मे जैन धर्म के 8 वें तीर्थंकर भगवान चंद्रप्रभु एवं 23 वेंराजाबाबू गोधा जैन महासभा मिडिया प्रवक्ता राजस्थान तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का 2902 वां जन्म कल्याणक एवं तप कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया, कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा एवं अग्रवाल समाज मंदिर समिति के मंत्री कमलेश चौधरी ने कि इस मौके पर परिक्षेत्र के सभी जिनालयों में पूजा अर्चना के विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए तथा सभी जिनालयों में प्रातः अभिषेक, शांतिधारा करने के बाद विश्व में सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की गई, तत्पश्चात श्री जी की पूजा अर्चना कर दोनों तीर्थंकरों के जन्म,तप कल्याणक का अर्घ्य चढ़ाया गया, तथा आरती के बाद कार्यक्रम का समापन हुआ, कार्यक्रम में कपूर चंद नला, मोहनलाल झंडा, महावीर कठमाना,कैलाश कासलीवाल, हरकचंद झंडा,सोभागमल सिंघल, रमेश बजाज,ओम प्रकाश कासलीवाल, महेंद्र गोधा,महावीर मोदी, हनुमान कलवाड़ा, प्रेमचंद कठमाना,राजेंद्र मोदी, विमल कठमाना, नीरज झंडा,सुशील कासलीवाल , मनीष गोधा,जीतू कासलीवाल,पदम टीबा, विनोद झंडा, कमलेश चौधरी,आकाश जैन तथा राजाबाबू गोधा सहित सभी श्रावक श्राविकाएं मोजूद थे।

सेवा न्यास के प्रदीप अध्यक्ष एवं सीए कमलेश कार्याध्यक्ष निर्वाचित

सांसद नवीन जैन की उपस्थिति में अनेकों विषयों पर हुई चर्चा

मनोज जैन नायक. शाबाश इंडिया

आगरा। जैसवाल जैन सेवा न्यास ट्रस्ट परिवार की न्यासियों की बैठक में सर्वसम्मति से प्रदीप जैन (पीएनसी) आगरा को पुनः अध्यक्ष घोषित किया गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने सीए कमलेश जैन गुरुग्राम को कार्याध्यक्ष मनोनीत किए जाने की घोषणा की। सेवा न्यास परिवार के मीडिया प्रभारी मनोज जैन नायक ने जानकारी देते हुए बताया कि विगत दिवस जैसवाल जैन उपरोचियां समाज की सेवाभावी संस्था अखिल भारतीय श्री दिगम्बर जैसवाल जैन उपरोचियां सेवा न्यास ट्रस्ट परिवार के समस्त न्यासियों की सभा एम डी जैन इंटर कॉलेज, हरी पर्वत आगरा में सम्पन्न हुई । जिसमें आगामी कार्यकाल के लिए नवीन अध्यक्ष का निर्वाचन, प्रतिभा सम्मान 2025 एवं महिला सशक्तिकरण योजना चर्चा के मुख्य विंदु रहे। सभा के दौरान अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रदीप जैन (पीएनसी) ने कहा कि संस्थाओं में परिवर्तन होते रहना चाहिए। परिवर्तन से एक नई ऊर्जा और सुखद वातावरण की प्राप्ति होती है । नये लोगों को कार्य करने का और अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्राप्त होता है । इसलिए इस बार किसी अन्य को अध्यक्ष बनाना ही उचित प्रतीत होगा। सेवा न्यास परिवार के महामंत्री सीए कमलेश जैन गुरुग्राम ने सभा का संचालन करते हुए कहा कि मैं बगैर किसी पद के न्यास परिवार में रहकर समाजसेवा करना चाहता हूं । हम सभी न्यासियों को एक परिवार की तरह एकजुट होकर समाजसेवा करना चाहिए । सभा में राज्यसभा सांसद नवीन जैन की गरिमामयी उपस्थिति एवं उनके प्रेरणात्मक उद्बोधन ने सभी न्यासियों के हृदय पटल एवं मन मस्तिक पर नई ऊर्जा और जोश का संचार किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि सभी मंदिर कमिटियों को न्यास के पदाधिकारियों से प्रेरणा लेनी चाहिए, ये सभी पद छोड़ना चाहते हैं । बिना पद के ही सेवा करना चाहते हैं, जबकि कई मंदिर कमेटियों और संस्थाओं में पद के लिए लड़ाइयाँ होती हैं, चुनाव में झगड़े होते हैं। न्यास के अगले कार्यकाल के लिए अध्यक्ष के चुनाव पर विस्तृत रूप से विचार विमर्श हुआ । प्रदीप जैन (पीएनसी) ने सभी न्यासियों को पहले ही पत्र लिखकर इच्छा जाहिर की थी कि इस बार कोई और अध्यक्ष बनाया जाय । लेकिन सभी न्यासियों ने एक स्वर में सर्वसम्मति से प्रदीप जैन पीएनसी के नाम को ही अध्यक्ष पद के लिए उपयुक्त बताया । अंत में सर्व सम्मति से प्रदीप जैन (पीएनसी) आगरा को अध्यक्ष घोषित किया गया। न्यासियों की भावना को देखते हुए प्रदीप जैन ने दिए गए उत्तरदायित्व को स्वीकार किया।

साधारण साधर्मी का शोषण करते वर्तमान के जैन साधु और समाज के स्वयंभू अग्रणी

आज जैन समाज के भीतर जो पीड़ा मौन रूप से व्याप्त है, वह यह है कि साधारण साधर्मी स्वयं को असुरक्षित, उपेक्षित और शोषित अनुभव करने लगा है। जिन साधुओं को आगमों के अनुसार त्याग, वैराग्य, निर्लोभता और करुणा का प्रत्यक्ष उदाहरण होना चाहिए था और जिन समाज के अग्रणियों को सेवा, संरक्षण और न्याय का दायित्व निभाना था, वही अनेक स्थानों पर धर्म को भय, दबाव और दिखावे का माध्यम बनाते दिखाई दे रहे हैं। आगमों में स्पष्ट कहा गया है कि धर्म आत्मा की शुद्धि का साधन है, न कि धन, पद या प्रभाव का उपकरण। आचारांग सूत्र में भगवान महावीर स्पष्ट निर्देश देते हैं कि साधु किसी भी प्रकार से परिग्रह, संग्रह या लोभ की प्रवृत्ति न रखे, क्योंकि जहाँ लोभ है वहाँ धर्म नहीं और जहाँ धर्म है वहाँ लोभ का स्थान नहीं। इसके बावजूद आज अनेक धार्मिक आयोजनों में साधारण साधर्मी को चंदे, दान और दिखावटी प्रतिष्ठा के लिए मानसिक रूप से बाध्य किया जाता है। सीमित आय वाला श्रावक, जो श्रद्धा से जिनवाणी सुनने आता है, उसे यह संकेत दिया जाता है कि उसकी धार्मिकता उसके योगदान की राशि से तय होगी। यह प्रवृत्ति आगम-विरोधी है, क्योंकि उत्तराध्ययन सूत्र में कहा गया है कि दान की महानता द्रव्य से नहीं, भाव से होती है और अल्प साधन वाला भी यदि शुद्ध भाव से दान करता है तो वह महादानी कहलाता है। इससे भी अधिक पीड़ादायक सत्य यह है कि अनेक स्थानों पर साधु स्वयं धनवान और प्रभावशाली लोगों के आगे-पीछे घूमते दिखाई देते हैं। जिनके पास धन है, मंच है, साधन हैं, उनके लिए प्रवचन का समय, आशीर्वाद की भाषा और व्यवहार का स्वर ही बदल जाता है, जबकि साधारण साधर्मी के लिए वही साधु मौन, उदासीन या उपदेशात्मक कठोरता दिखाते हैं। आगमों में यह स्पष्ट रूप से निषिद्ध है। दशवैकालिक सूत्र में कहा गया है कि साधु को सभी जीवों के प्रति समभाव रखना चाहिए, राजा और रंक में भेद नहीं करना चाहिए, क्योंकि भेदभाव स्वयं राग-द्वेष का रूप है। तत्त्वार्थ सूत्र भी कहता है कि राग-द्वेष आत्मा के बंधन का कारण हैं। जब साधु धनवानों के प्रति विशेष आकर्षण और साधारण साधर्मी के प्रति उपेक्षा दिखाते हैं, तब वे स्वयं बंधन के कारण बनते हैं और समाज को गलत संदेश देते हैं। समाज के स्वयंभू अग्रणी, जिनका न तो आचरण आगमानुकूल होता है और न ही जिनवाणी का सम्यक ज्ञान, वे ऐसे ही साधुओं को बढ़ावा देते हैं, क्योंकि उनका स्वार्थ भी उसी धन और प्रभाव से जुड़ा होता है। इस पूरी व्यवस्था में साधारण साधर्मी सबसे कमजोर कड़ी बन जाता है, जिसकी न सुनी जाती है, न समझी जाती है। धर्म, जो आत्मा को निर्भय और समान दृष्टि सिखाता है, वही आज अनेक स्थानों पर वर्ग, हैसियत और द्रव्य के आधार पर बाँटा जा रहा है। यह स्थिति जिन शासन की आत्मा के विपरीत है और समाज को भीतर से खोखला करती है। आवश्यकता इस बात की है कि साधु आगमों में वर्णित अपने व्रतों, अपरिग्रह और समभाव की कसौटी पर स्वयं को परखें, समाज के अग्रणी बनने वाले पहले सेवा, त्याग और निष्पक्षता का उदाहरण प्रस्तुत करें और साधारण साधर्मी को शोषण की वस्तु नहीं, जिन शासन की वास्तविक शक्ति समझें। जब तक साधु और समाज दोनों धन के आकर्षण से ऊपर नहीं उठेंगे, तब तक धर्म केवल शब्दों और आयोजनों तक सीमित रह जाएगा, आत्मा तक नहीं पहुँचेगा।

– नितिन जैन, संयोजक – जैन तीर्थ श्री पार्श्व पद्मावती धाम, पलवल (हरियाणा), जिलाध्यक्ष – अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन, पलवल, मोबाइल: 9215635871

वेद ज्ञान

विश्वकर्मा रचनात्मकता, तकनीकी कौशल और नवाचार के प्रतीक

भगवान विश्वकर्मा को निर्माण एवं सृजन का देवता माना जाता है। हिंदू धर्म में इन्हें सृष्टि के दिव्य शिल्पकार, देवताओं के वास्तु विशेषज्ञ और पहले इंजीनियर के रूप में पूजा जाता है। विश्वकर्मा रचनात्मकता, तकनीकी कौशल और नवाचार के प्रतीक हैं। उनके सम्मान में भाद्रपद मास की सूर्यकन्या संक्रांति पर विश्वकर्मा जयंती मनाई जाती है। यह वह दिन है जब सूर्य सिंह राशि से कन्या राशि में प्रवेश करता है। इस दिन मजदूर, कारीगर, इंजीनियर, आर्किटेक्ट और उद्योगपति अपने औजारों और मशीनों की पूजा करते हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार चार युगों में विश्वकर्मा जी ने कई नगर और भवनों का निर्माण किया था। विश्वकर्मा पूजा एक ऐसा त्यौहार है जहां शिल्पकार, कारीगर, श्रमिक भगवान विश्वकर्मा का त्यौहार मनाते हैं। कहा जाता है कि भगवान ब्रह्मा के पुत्र विश्वकर्मा ने पूरे ब्रह्मांड का निर्माण किया था। विश्वकर्मा को देवताओं के महलों का वास्तुकार भी कहा जाता है। विश्वकर्मा दो शब्दों विश्व (संसार या ब्रह्मांड) और कर्म (निर्माता) से मिलकर बना है। इसलिए विश्वकर्मा शब्द का अर्थ है दुनिया का निर्माण करने वाला। विश्वकर्मा शिल्पशास्त्र के आविष्कारक और सर्वश्रेष्ठ ज्ञाता माने जाते हैं। जिन्होंने विश्व के प्राचीनतम तकनीकी ग्रंथों की रचना की थी। इन ग्रंथों में न केवल भवन वास्तु विद्या, रथ आदि वाहनों के निर्माण बल्कि विभिन्न रत्नों के प्रभाव व उपयोग आदि का भी विवरण है। माना जाता है कि उन्होंने ही देवताओं के विमानों की रचना की थी। भगवान विश्वकर्मा की उत्पत्ति ऋग्वेद में हुई है। जिसमें उन्हें ब्रह्मांड के निर्माता के रूप में वर्णित किया गया है। भगवान विष्णु और शिवलिंग की नाभि से उत्पन्न भगवान ब्रह्मा की अवधारणाएं विश्वकर्मण सूक्त पर आधारित हैं। विश्वकर्मा प्रकाश को वास्तुतंत्र का अपूर्व ग्रंथ माना जाता है। इसमें अनुपम वास्तुविद्या को गणितीय सूत्रों के आधार पर प्रमाणित किया गया है। ऐसा माना जाता है कि सभी पौराणिक संरचनाए भगवान विश्वकर्मा द्वारा निर्मित हैं। भगवान विश्वकर्मा के जन्म को देवताओं और राक्षसों के बीच हुए समुद्र मंथन से माना जाता है।

संपादकीय

आर्थिक शुचिता की ओर भारत

पिछले एक दशक में भारतीय अर्थव्यवस्था ने न केवल विकास दर और निवेश के पैमाने पर, बल्कि शासन की पारदर्शिता और नैतिक जवाबदेही के स्तर पर भी अमूलचूल परिवर्तन देखा है। वर्ष 2014 के बाद आर्थिक अपराधों पर केंद्र सरकार द्वारा किए गए प्रहार ने देश की प्रशासनिक कार्यशैली को नए सिरे से परिभाषित किया है। यह परिवर्तन यकायक नहीं हुआ, बल्कि यह उन दशकों पुरानी लचर नीतियों की प्रतिक्रिया है, जिन्होंने

भ्रष्टाचार को राजनीति, समाज और उद्योग जगत की जड़ों तक पहुंचने का अवसर दिया था। आजादी के बाद लंबे समय तक सरकारी तंत्र की शिथिलता और जांच एजेंसियों की सीमित शक्तियों ने आर्थिक अपराधों के लिए एक उर्वर जमीन तैयार की। खाओ और खिलाओ की अघोषित नीति ने ऐसे माहौल को जन्म दिया, जहां बेनामी संपत्तियां, हवाला कारोबार और टैक्स चोरी व्यवस्था का सहज अंग बन गए थे। भ्रष्टाचार एक असंयमित वटवृक्ष की तरह फैलता गया, जिससे राष्ट्रीय संपत्ति का निरंतर क्षरण होता रहा। किंतु, वर्तमान सरकार द्वारा अपनाई गई कठोर नीतियों ने इस वटवृक्ष की जड़ों पर प्रहार किया है। केंद्र की रणनीति का सबसे सशक्त पहलू जांच और प्रवर्तन की निर्भीक कार्यवाही है। संसद में वित्त मंत्रालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, प्रवर्तन निदेशालय ने 6444 मामलों में कार्रवाई करते हुए 4189.89 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियां जब्त की हैं। 22 मामलों में 29 लोगों की गिरफ्तारी यह सिद्ध करती है कि आर्थिक अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई अब केवल रस्म अदायगी नहीं, बल्कि परिणामोन्मुख हकीकत है। इसी प्रकार, आयकर विभाग द्वारा 20 हजार से अधिक मामलों की जांच और लगभग 13,877 कार्यवाहियों का दर्ज होना यह दर्शाता है कि वित्तीय अनुशासन का दायरा अब केवल बड़े घोटालेबाजों तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यापक स्तर पर कर-चोरी और अघोषित आय के स्रोतों को भी चिन्हित किया जा रहा है। अपराध के तरीके बदले, तो सरकार ने भी अपनी तकनीक को अद्यतन किया। अब नकद लेनदेन की जगह डिजिटल फ्रॉड और क्रिप्टोकरेंसी ने ले ली है। इसके जवाब में केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने वर्चुअल डिजिटल असेट के संदिग्ध लेनदेन पर 44,057 नोटिस जारी किए और खोजी अभियानों में 888.82 करोड़ की अघोषित आय पकड़ी। डेटा इंटेलिजेंस और डिजिटल निगरानी के उपयोग ने अपराधियों के लिए छिपने की जगह सीमित कर दी है। तमाम प्रयासों के बावजूद, यह दावा करना जल्दबाजी होगी कि भ्रष्टाचार पूर्णतः समाप्त हो गया है। भारत जैसे विशाल देश में यह चुनौती अभी भी जटिल है। असली लड़ाई उस मानसिकता के खिलाफ है, जिसने बेईमानी को सामाजिक स्वीकृति दे दी थी। कानून का भय आवश्यक है, लेकिन जब तक आम नागरिक और व्यापारी 'ईमानदारी' को राष्ट्र की प्रगति का आधार नहीं मानेंगे, यह सफाई अधूरी रहेगी। समाज को यह समझना होगा कि बेईमानी से अर्जित धन क्षणिक सुख दे सकता है, लेकिन अंततः वह मानसिक शांति और प्रतिष्ठा के विनाश का कारण बनता है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

कट्टरवाद के साये में संस्कृत की गूंज

कांतिलाल मांडोत

पाकिस्तान जैसे देश में, जहां अक्सर पहचान की राजनीति, धार्मिक कट्टरता और इतिहास की विभाजक व्याख्याएं हावी रही हैं, वहां संस्कृत के श्लोकों और मंत्रों की गूंज किसी सुखद आश्चर्य से कम नहीं है। आजादी के बाद पहली बार 'लाहौर यूनिवर्सिटी ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज' में औपचारिक रूप से संस्कृत का विश्वविद्यालय स्तरीय पाठ्यक्रम शुरू होना केवल एक शैक्षणिक पहल नहीं है, बल्कि यह भारतीय उपमहाद्वीप की साझा सांस्कृतिक विरासत को फिर से सहेजने की एक साहसिक कोशिश है। यह पहल प्रमाण है कि भाषाएं और संस्कृतियां सीमाओं में नहीं बंधतीं और इतिहास को समझने का रास्ता टकराव से नहीं, संवाद से होकर जाता है। LUMS ने तीन महीने की विशेष संस्कृत वर्कशॉप के बाद इस पाठ्यक्रम की शुरूआत की, जिसमें वेदों, पुराणों, संस्कृत व्याकरण और दर्शन पर विस्तार से चर्चा हुई। कक्षाओं में न केवल संस्कृत के श्लोक गूंजे, बल्कि उन पर तार्किक और ऐतिहासिक विमर्श भी हुआ। विशेष बात यह रही कि इसमें छात्रों के साथ-साथ बड़ी संख्या में रिसर्च स्कॉलर और पेशेवर भी शामिल हुए। यह इस बात की पुष्टि करता है कि पाकिस्तान में संस्कृत को केवल एक धर्म विशेष की भाषा के रूप में नहीं, बल्कि ज्ञान, दर्शन और सभ्यता की भाषा के रूप में समझने की गहरी जिज्ञासा मौजूद है। संस्कृत को लेकर अक्सर यह भ्रांति फैलाई गई कि यह किसी एक राष्ट्र की बपौती है, जबकि वास्तविकता यह है कि संस्कृत उपमहाद्वीप की बौद्धिक रीढ़ रही है। तक्षशिला जैसे महान शिक्षा केंद्र, जो आज के पाकिस्तान में स्थित हैं, कभी संस्कृत ज्ञान के वैश्विक केंद्र थे। ऐसे में इस भाषा को नकारना अपने ही अतीत से मुंह मोड़ने जैसा था। एलयूएमएस के निदेशक डॉ. अली उस्मानी का दृष्टिकोण स्पष्ट है संस्कृत कोई पराई भाषा नहीं, बल्कि हमारी साझा विरासत है। जब विश्वविद्यालय में उर्दू, पश्तो, अरबी और फारसी पढ़ाई जा सकती है, तो संस्कृत क्यों नहीं? अधिकांश क्षेत्रीय भाषाओं की जड़ें इसी में हैं। विश्वविद्यालय की योजना भविष्य में रामायण, गीता और महाभारत जैसे महाकाव्यों पर शोध और पाठ्यक्रम शुरू करने की है। ये ग्रंथ केवल धार्मिक आख्यान नहीं, बल्कि तत्कालीन समाज, राजनीति और नैतिकता के दस्तावेज हैं। लक्ष्य यह है कि अगले 10-15 वर्षों में ऐसे विद्वान तैयार हों जो इस क्षेत्र की सांस्कृतिक जड़ों को नए सिरे से परिभाषित कर सकें। कट्टरपंथी सोच के साये में यह निर्णय एक वैचारिक जोखिम अवश्य है, लेकिन यह दर्शाता है कि पाकिस्तानी समाज के भीतर एक ऐसा वर्ग जीवित है जो संवाद और आत्ममंथन में विश्वास रखता है। इस परिदृश्य की तुलना यदि भारत से की जाए तो एक विचित्र विरोधाभास सामने आता है। भारत में जहां भाषा को राजनीति का हथियार बनाकर विवाद खड़े किए जाते हैं, वहीं एक इस्लामिक देश में संस्कृत को अकादमिक मंच मिलना हमारे लिए आत्मचिंतन का विषय है। क्या हम अपनी विरासत को केवल राजनीतिक चश्मे से देखने लगे हैं, जबकि पड़ोसी देश में उसे साझा इतिहास के रूप में समझने की कोशिश हो रही है? संस्कृत का यह पुनरागमन संकेत देता है कि सांस्कृतिक रिश्ते राजनीति से अधिक स्थायी होते हैं। एलयूएमएस की यह पहल याद दिलाती है कि सभ्यताएं दीवारों से नहीं, पुलों से फलती-फूलती हैं। पाकिस्तान की कक्षाओं में संस्कृत की गूंज उस साझा स्मृति की प्रतिध्वनि है, जिसे दशकों तक भुलाने की कोशिश की गई। यह सांस्कृतिक पुनर्जागरण की एक नई शुरूआत है, जो बताती है कि जहां इतिहास को समझने का साहस होता है, वहीं से भविष्य का उज्ज्वल मार्ग भी निकलता है।

पद्मावती पब्लिक स्कूल, मानसरोवर में Give Joy, Get Joy अभियान

नन्हे मुन्हे विद्यार्थियों और अध्यापकगण द्वारा किये गये सेवा के कार्य

जयपुर। श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद द्वारा संचालित पद्मावती पब्लिक स्कूल, मानसरोवर के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों एवं अध्यापकगण द्वारा सेवा कार्यों की श्रृंखला के अंतर्गत 15 दिसंबर को सराहनीय सेवा गतिविधियाँ संपन्न की गईं।इस अवसर पर श्री पुरुषोत्तम मेमोरियल एंड चैरिटेबल ट्रस्ट के निर्धन एवं बेसहारा विद्यार्थियों को उनकी आवश्यकता का सामान वितरित किया गया। साथ ही वरुण पथ, मानसरोवर स्थित सरकारी विद्यालय में भी बच्चों को स्टेशनरी सामग्री एवं गरम कपड़े प्रदान किए गए।विद्यालय की आचार्या श्रीमती हेमलता जैन ने बताया कि यह समस्त सामग्री विद्यालय के अभिभावकों द्वारा स्वेच्छा से उपलब्ध करवाई गई, जिसके लिए विद्यालय परिवार की ओर से सभी अभिभावकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया गया।इस सेवा कार्य का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में बाल्यावस्था से ही सेवा, संवेदनशीलता एवं सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को जागृत करना है। यह सम्पूर्ण कार्यक्रम "Give Joy, Get Joy" अभियान के अंतर्गत सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

भक्तिभाव से मनाया आठवें तीर्थंकर चंद्रप्रभु भगवान और तेईसवें तीर्थंकर पारसनाथ भगवान का जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव

जैन मंदिरों में हुए विभिन्न धार्मिक आयोजन

सीकर. शाबाश इंडिया। शहर के बजाज रोड़ स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर दंग की नशियां में सोमवार को सुबह चंद्रप्रभु भगवान और पारसनाथ भगवान का जन्म कल्याणक और तप कल्याणक महोत्सव मनाया गया । सुबह मूलनायक भगवान पार्श्वनाथ के नित्य अभिषेक पश्चात संपूर्ण विश्व के कल्याण व शांति की कामना करते हुए शांतिधारा हुई , जिसके पश्चात पार्श्वनाथ विधान आयोजित किया गया । तत्पश्चात तीर्थंकर भगवान को पालना झुलाया गया। तीर्थंकर भगवान को पालना झुलाना जैन धर्म में जन्म कल्याणक (भगवान के जन्म का उत्सव) मनाने की एक महत्वपूर्ण और आनंदमय परंपरा है, जिसमें भक्तगण भगवान के गुणों जैसे करुणा और निर्भयता के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हैं और उन्हें अपने भीतर विकसित करने का संकल्प लेते हैं ।यह आध्यात्मिक उत्सव भगवान के आगमन और उनके द्वारा दिखाए गए परम मार्ग का प्रतीक है । समाज के विवेक पाटोदी ने बताया कि प्रथम अभिषेक और शांतिधारा व प्रथम पालना झुलाने का सौभाग्य बाबूलाल प्रदीप कुमार मनोज कुमार बाकलीवाल परिवार परिवार को मिला ।इस अवसर पर समाज के महिलाओं और पुरुषों ने सायंकाल 48 दीपकों से भक्तामर पाठ किए एवं सामुहिक महाआरती की। विवेक पाटोदी ने बताया कि इस अवसर पर दीवान जी की नशियां मंदिर जी में विशेष पूजा विधान आयोजित किए गए एवं भगवान चंद्रप्रभु एवं भगवान पार्श्वनाथ की भजनों के द्वारा भक्ति की गई ।देवीपुरा स्थित श्री चंद्रप्रभु जैन मंदिर में भी प्रातः विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

भगवान पारसनाथ का महामस्तकाभिषेक मुनि संघ के पावन सानिध्य में हुआ

मुनि संघ का राघौगढ़ से आवन विहार हुआ

राघौगढ़. शाबाश इंडिया

परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी महाराज के ज्येष्ठ श्रेष्ठ शिष्य निर्यापक मुनि योग सागर जी महाराज सत्संग के पावन सानिध्य में आज श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर में लगभग 250 वर्ष प्राचीन मूल नायक भगवान पारसनाथ की मूर्ति का महामस्तकाभिषेक हुआ। मूल नायक भगवान पारसनाथ के पीछे विराजमान नवीन श्वेत संगमरमर की पारसनाथ भगवान मनोज्ञ प्रतिमा का चरणों का अभिषेक किया गया। राघौगढ़ में गत जून जुलाई 25 में संपन्न हुए पंचकल्याणक महोत्सव में श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर की नवीन बेदियों में भगवान विराजमान किए गए थे। उनको कमलासन पर विराजमान कर उच्चासन नहीं दिया गया था। आज मुनि संघ के पावन सानिध्य में बाल ब्रह्मचारी प्रतिष्ठाचार्य संजीव भैया कटंगी के निर्देशन में नवीन वेदियों में कमलासन पर भगवान विराजमान किये गए। पूर्व मंत्री एवं राघौगढ़ विधायक श्री जयवर्धन सिंह के आग्रह पर निर्यापक मुनि योग सागर जी महाराज ससंघ राघौगढ़ के प्राचीन ऐतिहासिक लगभग 300 वर्ष प्राचीन किले पर पहुंचे। किले पर मुनि संघ का राज परिवार ने पाद प्रक्षालन किया। प्राचीन किले के अवलोकन के साथ राघौ जी महाराज के मंदिर, श्री जगदीश जी के मंदिर एवं हनुमान मंदिर के दर्शन किये। निर्यापक मुनि योग सागर जी महाराज ने कहा राघौगढ़ राजाओं की नगरी है। यहां के राजा दिग्विजय सिंह मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे हैं। राघोगढ़ में भी हमें सर्वधर्म समभाव देखने को मिला। इसी प्रकार दिग्विजय सिंह जब मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री थे उन्होंने मध्य प्रदेश में सर्वधर्म समभाव के लिए कार्य किया। वे अनेक बार आचार्य गुरुवर विद्यासागर जी महाराज से मिलने एवं उनसे आशीर्वाद लेने आते थे। दोपहर 2:00 बजे निर्यापक मुनि योग सागर जी महाराज ससंघ का मंगल विहार श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर राघौगढ़ में दर्शन कर एवं संत सुधा सागर धाम स्थित संभव नाथ जिनालय के दर्शन कर ग्राम आवन की ओर हुआ। सैकड़ो श्रद्धालु एवं माता बहनों ने मुनि संघ को अश्रु पूरित विदाई दी।

शक्ति पीठ माता पद्मावती सेवा संस्थान,मानसरोवर में पार्श्वनाथ भगवान का जन्म कल्याणक दीक्षा कल्याणक महोत्सव धूमधाम से सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

शक्ति पीठ माता पद्मावती सेवा संस्थान,मानसरोवर के अंदर तीन दिवसीय पार्श्वनाथ जन्म कल्याणक महोत्सव 13 दिसम्बर से 15 दिसम्बर तक मनाया गया। जानकारी देते हुए संयोजक विनित सांड ने बताया कि जैन धर्म के 23वे तीर्थंकर पार्श्वनाथ भगवान का 2902 वें जन्म कल्याणक महोत्सव में प्रथम दिवस 13 दिसंबर को 108 पार्श्वनाथ भगवान के नाम अभिषेक,स्त्रोत व भगवान के एकासना तप की तपस्या हुई। 14 दिसम्बर को पार्श्वनाथ पंचकल्याणक पूजन का आयोजन हुआ साथ ही सायः 108 दिपक से आरती हुई। वहीं 15 दिसम्बर को पार्श्वनाथ दीक्षा कल्याणक पर विशिष्ठ आराधना का आयोजन किया गया साध्वी श्री ने भगवान के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला। प्रतिदिन प्रातः स्नात्र पूजन, शांतिधारा, भक्तामर पाठ व धर्मचर्चा,भजन सध्या का आयोजन हुआ। इस अवसर पर श्रावक श्रावीकाओं द्वारा संघ पूजन व प्रभावना का लाभ लिया। साध्वी कुसुम प्रभा श्रीजी एवं संयम रत्न श्री जी म.सा. की पावन निश्रा में ये आयोजन हुये। आयोजन कमेटी के रजना चिमन भाई मेहता,शमीर्ला शुभकरण नाहटा, सरोज मुकीम,मधु काकरीया, विनित सांड राजेन्द्र सीपाणी, ने महत्वपूर्ण भुमीका निभाई।

संयोजक विनित सांड

चित्तौड़गढ़ श्री महिला महासमिति को इकाई से संभाग बनाने की चंवलेश्वर पार्श्वनाथ में हुई घोषणा

चित्तौड़गढ़.शाबाश इंडिया

अखिल भारतवर्षीय श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति चित्तौड़गढ़ इकाई को संभाग बनाए जाने का राष्ट्रीय व राज्य पदाधिकारियों द्वारा निर्णय लिया गया जिसकी घोषणा चंवलेश्वर जी में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती शीला डोडिया व अंचल अध्यक्ष श्रीमती शालिनी बाकलीवाल के निर्देशन व उपस्थिति में की गई। चित्तौड़गढ़ संभाग अध्यक्ष श्रीमती मंजु सेठी ने बताया कि यह संस्था आचार्य श्री विद्या सागर जी महाराज के आशीर्वाद व मुनि पुंगव सुधासागर जी महाराज के निर्देशन में बनाई गई।यह एक ऐसा अखिल भारतीय संगठन है जिसकी देश भर में शाखाएं हैं जो धार्मिक व सामाजिक सेवा के कार्य करती है।संस्थापक अध्यक्ष नम्रता गदिया,संरक्षिका मनोरमा अजमेरा ने बताया कि चित्तौड़गढ़ से 16 महिलाये चंवलेश्वर जी कार्यक्रम में उपस्थित हुई। धार्मिक और सामाजिक कार्यों में सक्रिय रहने की शपथ दिलाई गई।अध्यक्ष मंजु सेठी ,महामंत्री प्रियंका गदिया को पगड़ी व उपर्णा पहनाकर स्वागत किया गया।राष्ट्रीय अध्यक्ष शीला डोडिया ने सभी नए पदाधिकारियों को संगठनात्मक कार्यों में एकजुट होकर कार्य करने की प्रेरणा दी। बाद में सभी ने स्वस्ति धाम जहाजपुर स्थित मुनिसुव्रत नाथ भगवान के भी दर्शन किए। सभी ने सामूहिक पूजा पाठ आरती आदि की।महामंत्री प्रियंका गदिया का यात्रा में पूर्ण सहयोग रहा। सभी सदस्यों ने तय किया कि आगे भी छोटी यात्राओं का प्रोग्राम बनाकर यह क्रम जारी रखेंगे।कार्यक्रम में आशा वेद,मधु अग्रवाल,आशा अजमेरा,मान कंवर गोधा, संगीता जैन,ऋतु गदिया,प्रेम देवी सोनी नीलम पाटनी,प्रभा गंगवाल, स्मिता जैन,प्रमिला बडजात्या सहित नीलम अजमेरा मौजूद रही।

भगवान पार्श्वनाथ एवं भगवान चंद्रप्रभु का जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव मनाया

भगवान पार्श्वनाथ का घी दूध दही बुरा चंदन केसर से पंचामृत अभिषेक किया, चांदी की पालकी में श्री जी को विराजमान कर शोभा यात्रा निकाली

टोंक.शाबाश इंडिया। श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर एवं श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर माणक चौक पुरानी टोंक में सोमवार को भगवान चंद्रप्रभु एवं भगवान पार्श्वनाथ का जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव मनाया गया। प्रवक्ता राजेश अरिहंत ने बताया कि पोष कृष्ण एकादशी के अवसर पर श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर तेरापंथीयान पुरानी टोंक में चंद्रप्रभु भगवान की 108 ऋद्धि मंत्रों के उच्चारण के साथ अभिषेक एवं वृहद शांति धारा की गई शांतिधारा पुण्यार्जक श्रावक श्रेष्ठियो के नाम उच्चारण के साथ मूलनायक चंद्रप्रभु भगवान की शांतिधारा सौभाग्यशाली परिवारों को करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ तत्पश्चात नित्य नियम पूजा,चंद्रप्रभु पूजा, आदिनाथ पूजा, 24 तीर्थंकर की पूजा कर जन्म एवं तप कल्याणक की शोभायात्रा निकाली गई। मंदिर समिति के सह मंत्री राकेश बिलासपुरिया ने बताया कि शोभा यात्रा के तहत श्री जी को गंगा जमुना कलर युक्त पालकी में रजत सिंहासन पर विराजमान करने का सौभाग्य देवराज राजेश कुमार काला के परिवार को मिला पालकी को श्रावक अपने कंधों पर उठाकर चल रहे थे गाजे-बाजे के साथ छतरी धारी सेवक बल्लम धारी सेवक एवं समाज के महिलाएं केसरिया वस्त्र धारण किए हुए पुरुष सफेद वस्त्र धारण किए हुए जैन ध्वज हाथों में लेकर भक्ति भाव के साथ नाचते गाते चल रहे थे शोभा यात्रा का समाज के लोगों ने अपने घरों के बाहर रंगोली बनाकर स्वागत किया एवं श्री जी के समक्ष श्रीफल चढ़ाकर आशीर्वाद लिया। मधु लुहाड़िया ने बताया कि शोभा यात्रा में नैतिक महिला मंडल की संगीता सीमा सुरभि सोनिया प्रीति प्रियंका आदि भक्ति नृत्य करते हुए,चंद्रप्रभु महिला मंडल की आशा कविता आभा श्वेता मंजू अलका हाथ में पचरंगी ध्वज लहराते हुए कनक महिला मंडल की इंदिरा चमेली चंद्रकांता उषा संजू श्री जी के कट आउट बैनर हाथों में लेकर चल रही थी शोभायात्रा चंद्रप्रभु मंदिर से रवाना होकर माणक चौक नया मंदिर मार्ग छोटा बाजार बाबरो का चौक होते हुए महावीर चौक पहुँची महावीर चौक से पुनःपाटनीयों का मोहल्ला रामशिला होते हुए चंद्र प्रभु मंदिर पहुंचकर श्री जी को मंत्रोच्चार के साथ वेदी में विराजमान किया गया। श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर श्याम बाबा पुरानी टोंक में भगवान पार्श्वनाथ के जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव के उपलक्ष में प्रातः भगवान पार्श्वनाथ भगवान आदिनाथ महावीर स्वामी का अभिषेक एवं वृहद शांतिधारा की गई तत्पश्चात उपस्थित श्रद्धालुओं के द्वारा बोली के माध्यम से भगवान पार्श्वनाथ की नौ फणी विशाल श्याम वर्ण की प्रतिमा का दूध दही घी शक्कर बुरा इक्षू रस नारियल पानी मौसमी रस पुष्प केसर चंदन आदि से पंचामृत अभिषेक किया गया एवं भगवान पार्श्वनाथ की पूजा भगवान महावीर स्वामी की पूजा भगवान शीतलनाथ की पूजा कर अर्घ्य एवं श्रीफल समर्पित किए गए। मंदिर समिति के अध्यक्ष रतनलाल जैन सोगानी ने बताया कि नवीन जिनालय में भगवान पार्श्वनाथ के जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव के पावन अवसर दोपहर में पार्श्वनाथ विधान की पूजा का आयोजन किया गया जिसमें इंद्र इंद्राणियों द्वारा भगवान की भक्ति भाव से पूजा कर 128 अर्घ्य एवं श्री फल समर्पित किए गए सांयकाल भगवान पार्श्वनाथ की महाआरती की गई। इससे पूर्व 14 दिसंबर को सांयकाल भगवान पार्श्वनाथ की 48 दीपको से संगीतमय महाआरती णमोकार महामंत्र का जाप एवं विशाल भजन संध्या का आयोजन दुर्गा भारती एंड पार्टी द्वारा किया गया।

आसना के प्रधानाचार्य डॉ महावीर जैन की कृति का विमोचन

आसना. शाबाश इंडिया

राउमा विद्यालय आसना के प्रधानाचार्य डॉ . महावीर प्रसाद जैन की कृति अष्टमी चतुर्दशी व युगमंधर पूजन का विमोचन श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर के 11 वे वार्षिकोत्सव पर आयोजित कार्यक्रम में कार्यक्रम के अध्यक्ष बसंती लाल थाया , अतिथि श्याम एस सिंघवी , ट्रस्ट की अध्यक्ष शांतिलाल अखावत ,वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजमल जैन , समाज अध्यक्ष योगेश अखावत , कुकवीवि समिति अध्यक्ष अभय बण्डी ,बाल ब्रह्मचारी श्रेणिक जबलपुर पं सुरेश गुना ऋषभ शास्त्री, पंडित खेमचंद शास्त्री आदि के द्वारा किया गया । इस अवसर पर सैकड़ो साधर्मीजन उपस्थित थे ।डॉ . महावीर प्रसाद जैन ने इस कृति की विशेषता बताते हुए कहा कि इस कृति एक वर्ष में ही दूसरा संस्करण प्रकाशित हुआ है तथा इसमें लिखित पूजन आज तक किसी ने नहीं लिखी है ।

अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी ससंघ ने लोकसभा के अवलोकन किया

नई दिल्ली.शाबाश इंडिया। संघ के साथ बड़ी संख्या में श्रावकों को भी संघ के निमित्त से इन चीजों को देखने का अवसर मिला।इतने बड़े संघ का संसद व राष्ट्रपति भवन में आगमन - लोकतंत्र व जैन इतिहास में एक अभूतपूर्व कार्य संपन्न हुआ। भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में 14 दिसंबर 2025 का दिन एक इतिहास रच गया। अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी, उपाध्याय श्री पीयूष सागर जी, प्रवर्तक मुनि श्री सहज सागर जी, निर्यापक मुनि श्री नव पद्म सागर जी, मुनि श्री अप्रमत्त सागर जी व मुनि श्री परिमल सागर जी छह दिगंबर मुनिराजों सहित अंतर्मना संघस्थ 15 पीछी धारियों ने नई लोकसभा भवन, पुराना संसद भवन व राष्ट्रपति भवन का अवलोकन किया। संबंधित अधिकारियों ने विस्तार से हर जगह का व वहां होने वाले क्रिया कलापों की जानकारी बड़े ही विनम्र भावों से दी। लोकसभा की कार्यवाही किस प्रकार चलती है, कौन कहां बैठता है कैसे वोटिंग होती है सभी को अच्छी तरह से समझाया। राष्ट्रपति भवन में भी सेंट्रल हॉल, भोजन कक्ष, विदेशी अतिथियों से मिलने का स्थान, पूरा विवरण, अमृत उद्यान (मुगल गार्डन) आदि की विस्तृत जानकारी दी। सभी जगह उपस्थित, अधिकारी गण, विदेशी पर्यटक, व भारतीय दर्शक भी इतने बड़े संघ को वहां देख कर आश्चर्य चकित हो रहे थे। सर्वप्रथम प्रधान मंत्री श्री लालबहादुर जी शास्त्री के समय में आचार्य देशभूषण जी संसद गए थे, बाद में आचार्य विद्यानंद जी, पर इतने बड़े संघ का संसद व राष्ट्रपति भवन में आगमन प्रथम बार ही होने से लोकतंत्र व जैन इतिहास में एक अभूतपूर्व कार्य संपन्न हुआ। संघ के साथ बड़ी संख्या में श्रावकों को भी संघ के निमित्त से इन चीजों को देखने का अवसर मिला ये गुरुदेव की महान कृपा भक्तों पर हुई नहीं तो वहां जाना तथा चार घंटे से ज्यादा समय तक हर चीज को अधिकारियों द्वारा बारीकी से समझाना बहुत बड़ी बात है। राष्ट्रपति के भोज स्थल पर ये भी जानकारी दी गई कि राष्ट्रपति जी शुद्ध शाकाहारी हैं व यहां भोज में सभी शुद्ध चीजे प्रयोग की जाती। कार्यक्रम बहुत अच्छा व ज्ञानवर्धक रहा। इतने बड़े संघ का संसद व राष्ट्रपति भवन में आगमन - लोकतंत्र व जैन इतिहास में एक अभूतपूर्व कार्य संपन्न हुआ।

नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

दिगम्बर जैन महासमिति सांगानेर संभाग एवं प्रतापनगर सेक्टर-5 के संयुक्त तत्वावधान में राहत सामग्री संग्रहण एवं सुपुर्दगी

सांगानेर. शाबाश इंडिया

14 दिसम्बर 2025 रविवार, दिगम्बर जैन महासमिति सांगानेर संभाग एवं प्रतापनगर सेक्टर -5 इकाई के संयुक्त तत्वावधान में श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर प्रतापनगर -5 के सामने राहत सामग्री आशा भवन ट्रस्ट को प्रदान की गई। संभाग अध्यक्ष कैलाशचन्द्र मलैया ने बताया कि यह सामग्री सांगानेर संभाग की विभिन्न इकाइयों से एवं अन्य समाज के लोगों से संग्रहीत की गई थी जिसमें 57 बैग कपडे आदि सामग्री थी। इसमें लगभग 50 परिवारों का सहयोग मिला। इकाई अध्यक्ष

कमलेश कुमार बोहरा ने बताया कि राहत सामग्री में वस्त्र, वर्तन, फर्नीचर एवं अनाज सम्मिलित था। इकाई मंत्री पी सी जैन के अनुसार सामग्री देने वालों ने इसे अच्छा कार्य बताया तथा उत्साह और प्रसन्नता से सामग्री दी। आशा भवन ट्रस्ट के बलवीरजी ने आशा भवन की गतिविधियों की जानकारी दी एवं बताया कि यह सामग्री देश के विभिन्न केन्द्र पर भेजी जाती है। इकाई उपाध्यक्ष पदम अजमेरा ने इस कार्यक्रम को साल में दो बार करने की आवश्यकता बताई एक दीपावली के समय एवं एक होली के बाद। कार्यक्रम संयोजक आशीष पाटनी सांगानेर युवा संभाग अध्यक्ष एवं अशोक चौधरी सांगानेर सिटी इकाई मंत्री थे। श्रीमती ज्योतिबाला जैन एवं शोभा जी ने बहुत सहयोग किया। संभाग मंत्री डॉ.अरविन्द कुमार जैन ने समस्त सामग्री प्रदाता परिवारों का आभार व्यक्त किया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

भगवान पार्श्वनाथ और चंद्रप्रभु का जन्म,तप कल्याणक धूम धाम से मनाया गया

कोलकाता (हावड़ा). शाबाश इंडिया

हावड़ा के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर जी में आज तिथि-पौष कृष्ण पक्ष एकादशी को जैन धर्म के चन्द्रमा के चिन्ह से सुशोभीत एव आठवे (8वे) तीर्थंकर श्री देवाधिदेव 1008 श्री चन्द्रप्रभु जी भगवान जी के जन्म, तप कल्याणक पर्व और सर्प के चिन्ह से सुशोभित एव तैईसवे (23वे) तिर्थकर श्री 1008 देवाधिदेव श्री पार्श्वनाथ भगवान जी का जन्म तप कल्याणक पर्व बहुत ही भक्तिभाव एवं धूम धाम के साथ मनाया गया।आज श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर डबसन हावड़ा में करीब 14लोगों ने एक साथ शांतिधारा करके अपने जीवन को धन्य किया सुबह से ही मंदिर जी में भक्तों को तांता लगा हुआ था करीब 50 से भी ज्यादा लोगों ने प्रभु का मंगल अभिषेक किया। इस मंगल एवं भव्य महामहोत्सव के शुभ अवसर पर मंदिर जी में कल्याण मंदिर स्त्रोत विधान का भव्य आयोजन किया गया था जिसमें सभी साधर्मी बंधुओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। मिलाप गंगवाल,शैलेश गंगवाल,देवेंद्र जैन,सज्जन झांझरी, नितेश जैन, नमन जैन, नीरज जैन,

प्रकाश पहाड़िया, सुरेश गंगवाल, भूपेंद्र गंगवाल, डूंगरमल गंगवाल, राजेश अजमेरा, बिनोद गंगवाल, विमल टोंग्या,विनीत जैन,बसंत सेठी, अनुराग जैन,आतिश जैन, शांतिदेवी गंगवाल, पुष्पादेवी गंगवाल,मंजु पांड्या, आदि सभी साधर्मी बंधुओं ने सभी कार्यक्रमों में हिस्सा लिया।

वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता सम्पन्न पुरस्कार वितरण

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। स्थानीय सेन्ट जोन्स सेकेंडरी विद्यालय में शनिवार को विद्यालय में वार्षिक खेलकूद पुरस्कार वितरण का कार्यक्रम हुआ। वार्षिक खेलकूद का आयोजन विगत 01 दिसंबर से 10 दिसंबर तक विद्यालय में आयोजित किया गया। जिसमें विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं के सभी विजेताओं को मेड़ल एंव प्रमाण पत्र देकर शनिवार को सम्मानित किया गया। राज्य स्तर 17 वर्षीय फुटबॉल में नसीराबाद शहर से विद्यालय के चयनित कक्षा 10 के छात्र आर्यन फैड्रीक, को मेड़ल एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसी प्रकार 14 वर्षीय एवं 17 वर्षीय जिला स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता मे भाग लेने वालों छात्रों को भी प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। विगत दस दिवसीय खेलकुद प्रतियोगिताओं के अन्तर्गत विभिन्न खेलकुद आयोजित किये गये जैसे 50 दौड - 70एम दौड़ - 100 एम दौड़, एक्टिविटि रेस, क्रिकेट, फुटबॉल एवं खो-खो प्रतियोगिता के अंतर्गत कक्षावार प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र व पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। फुटबॉल प्रतियोगिता में उपविजेता रेड़-हॉउस के छात्र रहे तथा विजेता टीम ग्रीन-हॉउस के छात्र रहे। क्रिकेट प्रतियोगिता में उपविजेता रेड़-हॉउस के छात्र रहे तथा विजेता टीम ग्रीन-हॉउस के छात्र रहे। खो-खो प्रतियोगिता मे छात्राओं ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया जिसमे उपविजेता ब्लू-हॉउस की छात्रायें रही तथा विजेता रेड़-हॉउस की छात्राये रही। खेलकुद कार्यक्रम का सफल संचालन शारीरिक शिक्षक राजेन्द्र गुर्जर एवं श्री चन्द्र पाल सिंह ने किया। विजेता छात्र-छात्राओं को मेड़ल एवं प्रमाण पत्र प्रधानाचार्या सीमा बेपटिस्ट एवं संस्था प्रधान रिचर्ड सजंय बेपटिस्ट के द्वारा दिये गये। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्या सीमा बेपटिस्ट एवं संस्था प्रधान रिचर्ड सजंय बेपटिस्ट ने भशुभकामनाएँ दी व उनके उज्ज्वल भविष्य की प्रार्थना की।

भारत का चाणक्य माना जाता है-डॉ अभिज्ञात

कोलकाता. शाबाश इंडिया। कोलकाता महानगर की सामाजिक व साहित्यिक संस्था 'जन साहित्य चेतना विचार मंच 'के तत्वावधान में लौहपुरूष सरदार बल्लभभाई पटेल की पुण्यतिथि के अवसर पर कार्यक्रम मुख्य अतिथि व पत्रकार डॉ अभिज्ञात ने राजस्थान सूचना केन्द्र में अपनी बात रखते हुए कहा कि उनकी असाधारण काबिलियत ही थी कि एक साथ 562 रियासतों का एकीकरण करके उन्होंने मिसाल कायम की। इस वजह से ही उन्हें आधुनिक भारत का चाणक्य माना जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि वल्लभभाई का विद्यार्थी जीवन अत्यंत परिश्रमी, उज्जवल एवं नैतिकता से पूर्ण रहा,इस स्तर पर ही उनमें भावी जीवन के शुभ लक्षण दिखाई देने लगे थे। दूसरे सत्र में जिन्होंने रचनाएँ पढीं उनमें राम पुकार सिंह 'पुकार गाजीपुरी ',डॉ मनोज मिश्र, मृदुला कोठारी 'मृदु',रीता चन्द पात्र, आरती भारती, सुरेन्द्र सिंह, कमल पुरोहित 'अपरिचित ',कृष्ण कुमार दुबे, डॉ शाहिद फरोगी, डॉ उर्वशी श्रीवास्तव, प्रणति ठाकुर, सेराज खान 'बातिश ',जतिब हयाल, फौजिया अख्तर 'रीदा ',सहर मजिदी, धर्म दुबे, मंजू तिलक, विष्णुप्रिया त्रिवेदी, संजय शुक्ल, ओमप्रकाश चौबे, रणजीत भारती, नन्दू बिहारी, संतोष कुमार महतो, रंजना झा ने रचनाएँ सुनाकर पटेल को यादगार साबित किया। विशिष्ट अतिथि डॉ अल्पना सिंह,दया शंकर मिश्र की कविता पर काफी तालियाँ मिली। कार्यक्रम की अध्यक्षता गीतकार चन्द्रिका प्रसाद पाण्डेय 'अनुरागी 'ने की। मंच का कुशल संचालन प्रदीप कुमार धानुक व धन्यवाद ज्ञापन संस्था अध्यक्ष दिनेश कुमार धानुक ने किया। समारोह को सफल बनाने में मोहम्मद अय्यूब वारसी 'कोलकतवी ',मनीषा गुप्ता और ज्योति हेला का पूर्ण योगदान रहा। **प्रेषक : प्रदीप कुमार धानुक**

मूक पशुओं के आहार की व्यवस्था हम सभी की जिम्मेदारी: दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सिटी भिंड

भिंड. शाबाश इंडिया

प्राणी मात्र की सेवा भावना से प्रेरित होकर दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सिटी भिंड द्वारा जीव दया अभियान निरंतर चलाया जा रहा है नवंबर माह की तरह दिसंबर माह में भी इसी कार्यक्रम के तारतम में दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सिटी भिंड के सभी सदस्य आज दिनांक 14 दिसंबर 2025 दिन रविवार को प्रातः 7:30 बजे सपरिवार जीव दया स्थल होटल लेक व्यू के सामने गौरी के किनारे पर एकत्र हुए और सभी ने मूक पशुओं को अपने हाथों से गुड़, चना, चारा, चुनी आदि खिलाकर एवं पक्षियों को दान डालकर अपनी सेवा प्रदान की। आज गौशाला पर एक घायल गाय जो कि लगभग बेहोशी की हालत में है उस गाय को सभी सदस्यों ने णमोकार मंत्र सुनाया और उस गाय के उत्तम स्वास्थ्य के लिए सभी सदस्यों द्वारा सामूहिक रूप से णमोकार महा मंत्र का जाप किया गया संस्था के अध्यक्षे शैलेंद्र पूनम जैन एवं संस्था सचिव अंशुल आयशा जैन के द्वारा बताया गया की प्राणी मात्र की सेवा भावना के लिए हमारा जीव दया अभियान निरंतर काम करता रहेगा हम समय-समय पर वृद्ध आश्रम, अनाथ आश्रम, गौशाला टीम रोटी बैंक, इंसानियत ग्रुप आदि के साथ मिलकर अपने इस अभियान को जारी रखेंगे आज के कार्यक्रम में रविंद्र सुधा द्वारा भामाशाह पशु योजना जीव दया स्थल सहित सभी पधारे हुए सदस्यों का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम संयोजक नवीन अंजू जैन सहित अशोक जया जैन, शैलेंद्र पूनम जैन, अंशुल आयशा जैन, रविंद्र सुधा जैन, विकल्प नीलम जैन पंकज रजनी जैन ,विकास प्रीति जैन, संभव अर्पिता लोहिया, रजनी पंकज जै,न उदित सोनाली जैन, विवेक नेहा जैन, सिद्धार्थ श्रुति जैन, सौरभ मोना जैन ने अपनी सेवा प्रदान की।

सोनल जैन की रिपोर्ट

दिगम्बर जैन सोशल गुलाबीनगर ग्रुप का धार्मिक कार्यक्रम सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल गुलाबीनगर ग्रुप के सदस्यों ने वर्ष 2025 के अंतिम कार्यक्रम के रूप में दिनाँक 14 दिसंबर 2025 को दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पद्मप्रभु जी नेवटा मंदिर में पद्मप्रभु विधान पंडित प्रकाश जैन द्वारा पूजन,भजन -भक्ति, संगीतमय साजों से सम्पन्न कराया। कार्यक्रम में विनोद बड़जात्या को श्री शांतिनाथ भगवान के प्रथम कलश व शांतिधारा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में विशिष्ट रूप से आमंत्रित फेडरेशन के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष यशकमल संगीता अजमेरा, पूर्व रीजन अध्यक्ष राजेश सीमा बड़जात्या, संगिनी ग्रुप अध्यक्ष शकुंतला महावीर बिंदायका,स्वास्तिक ग्रुप अध्यक्ष सतीश मधु बाकलीवाल, सम्यक ग्रुप अध्यक्ष डॉ इंद्रकुमार व कई पदाधिकारी उपस्थित होकर धर्मलाभ प्राप्त किया।ग्रुप के परमसरंक्षक अनिल शशी जैन, संरक्षक सुरेन्द्र मदुर्ला पांड्या, सलाहकार पदम चंद भांवसा, अध्यक्ष सुशीला विनोद बड़जात्या, निवर्तमान अध्यक्ष सुनील सुमन बज, सचिव महावीर मुन्नादेवी पांड्या, कोषाध्यक्ष निर्मल उषा सेठी, राजेन्द्र छाबड़ा व अन्य गणमान्य सदस्यों ने विधान में बैठकर धर्मलाभ लिया।पदमचंद भांवसा ने पूजन सामग्री में सहयोग दिया जिसके लिये कार्यकारिणी ने आभार व्यक्त किया। नरेन्द्र विनिया कासलीवाल व प्रकाश कांता पाटनी की वैवाहिक वर्षगाँठ भी मनाई गई। भक्ति और उल्लास से भरे इस आयोजन में लगभग 80 श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर कार्यक्रम की सराहना की। कार्यक्रम के संयोजक महावीर पांड्या व राजेन्द्र छाबड़ा ने आज के प्रोग्राम को बहुत ही सुंदर ढंग से संपादित कराया। अंत मे सभी सदस्यों ने स्वादिष्ट भोजन का लुत्फ उठाया व आज के कार्यक्रम की भूरी भूरी प्रशंशा की। अध्यक्ष सुशीला बड़जात्या ने फेडरेशन के व रीजन के भविष्य के कार्यक्रम की विस्तृत रूप से जानकारी दी। अंत मे फेडरेशन, विभिन्न जैन ग्रुप एवम गुलाबीनगर ग्रुप के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

भव्य श्री मद् जिनेन्द्र गजरथ शोभायात्रा पर निकले जिनेन्द्र देव

ऐसे अनुष्ठानों से जगत का मंगल होता है: प्रतिष्ठाचार्य प्रदीप भइया

गजरथ महोत्सव नगरवासियों के जीवन को मंगल, सुख, शांति और समृद्धि से भर देगा: राष्ट्रसंत मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज

विश्व शांति महायज्ञ एवं गजरथ महोत्सव में डेढ़ करोड़ मंत्रों के साथ आहुतियां समर्पित की गईं।

अशोक नगर में आज गजरथ महोत्सव के माध्यम से एक नया इतिहास रचा गया : विजय धुर्रा

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

राष्ट्रसंत निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज ससंघ के सान्निध्य एवं प्रतिष्ठाचार्य प्रदीप भइया तथा मुकेश भइया के निर्देशन में 9 तारीख से आयोजित श्री मद् जिनेन्द्र पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महा महोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ के अंतर्गत आज भव्य गजरथ शोभायात्रा का आयोजन किया गया। सात परिक्रमाओं के पूर्ण होने पर विशाल जनसमूह की जय-जयकार के साथ गजरथ महोत्सव का समापन हुआ। इस अवसर पर जिला कलेक्टर आदित्य सिंह, जिला पुलिस अधीक्षक राजीव मिश्रा, नगर पालिका अध्यक्ष नीरज मनोरिया सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक विशेष रूप से उपस्थित रहे। पूर्व में आयोजित विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज ने कहा कि गजरथ महोत्सव उन जीवों के लिए मंगलाचरण है, जो किसी कारणवश इस महा महोत्सव में सम्मिलित नहीं हो पाए। जो यहां उपस्थित होकर गजरथ में विराजमान त्रिलोकीनाथ के दर्शन कर रहे हैं, उन्होंने अपना मंगलाचरण पूर्ण कर लिया है। अब उनके माध्यम से अन्य जीवों को भी मंगल का लाभ प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि जब जीवन में परिवार से अधिक धर्म का महत्व हो जाता है, तब व्यक्ति भगवंत पद की ओर अग्रसर होता है। जब पत्नी और माता में माता का पक्ष प्रबल हो तथा पुत्र और पिता में पिता का पक्ष प्रबल हो जाए, तब साधना बढ़ती है और संसार का बंधन स्वतः ही क्षीण हो जाता है। जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने कहा कि 33 वर्षों के पश्चात श्री मद् जिनेन्द्र पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महा महोत्सव का आयोजन विश्व शांति महायज्ञ एवं गजरथ महोत्सव के साथ किया जा रहा है। पंच कल्याणक पूर्व में दो बार हुए, किंतु रिद्धि-सिद्धि प्रदान करने वाले गजरथ पर प्रभु के दर्शन नगर के लिए अत्यंत मंगलकारी हैं। यह आयोजन परम पूज्य मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज के आशीर्वाद एवं प्रतिष्ठाचार्य प्रदीप भइया के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हो रहा है। इस अवसर पर अध्यक्ष राकेश कासंल, उपाध्यक्ष अजित वरोदिया, प्रदीप तारई, राजेन्द्र अमन, महामंत्री राकेश अमरोद, कोषाध्यक्ष सुनील अखाई, मंत्री शैलेन्द्र श्रागर, विजय धुर्रा, संजीव भारिल्य, मीडिया प्रभारी अरविंद कचनार, ऑडिटर संजय के. टी., संयोजक मनोज रन्नौद, उमेश सिंघई, मनीष सिंघई, श्रेयांस घैला, थूवोनजी, अध्यक्ष अशोक जैन टींगूमिल, महामंत्री मनोज भैसरवास सहित अनेक समाजजन उपस्थित रहे। विश्व शांति महायज्ञ में सवा करोड़ मंत्रों के साथ आहुतियां समर्पित की गईं। श्री मद् जिनेन्द्र पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महा महोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ के अंतर्गत सौधर्म इन्द्र सुमत अखाई, कुबेर इन्द्र शैलेन्द्र, दद्दा महाराजा नाभीराय, राकेश अमरोद, महायज्ञ नायक सौरव बाझल सहित सभी प्रमुख पात्रों द्वारा तीर्थंकर कुंड, अरिहंत कुंड एवं गणधर कुंड पर सवा करोड़ मंत्रों के साथ आहुतियां अर्पित की गईं।

वीरांगना- "रानी अब्बक्का चौटा" के जीवन चरित्र पर श्रमण संस्कृति संस्थान की बालिकाओ द्वारा प्रस्तुत नाटिका ने बटौरी तालिया

जयपुर. शाबाश इंडिया

एक जैन वीरांगना 'रानी अब्बक्का चौटा' जिसने 500 साल पहले पुर्तगालियों को नाको चने चबवा दिए थे । कर्नाटक के उल्लाल की उस वीरांगना की स्मृति में श्रमण संस्कृति संस्थान के संत सुधासागर आवासीय कन्या महाविद्यालय की बालिकाओं ने रानी के जीवन चरित्र पर बहुत ही सुंदर व मार्मिक प्रस्तुति नाटिका के माध्यम से सोमवार 15 दिसंबर को बालिका छात्रावास में प्रस्तुत की गई जिसे दर्शकों द्वारा तालियों की गड़गड़ाहट के साथ बहुत सराहा गया। अधिष्ठात्री शीला ड्योडा ने बताया कि भारत सरकार ने 15 दिसंबर 2023 को रू 5/- मूल्य का यादगारी डाक टिकट जारी किया था ।यह टिकट भारत की पहली महिला स्वतंत्रता सेनानी को राष्ट्रीय सम्मान प्रदान करने का प्रतीक है। जैन वीरांगना के भारत सरकार द्वारा किए गए इस सम्मान दिवस 15 दिसम्बर को यादगार बनाने के लिए यह आयोजन किया गया । राजस्थान अंचल अध्यक्षा शालिनी बाकलीवाल ने बताया की कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में पदम जैन बिलाला की गरिमामय उपस्थिति रही। मुख्य वक्ता डॉ माधुरी जी जैन ने वीरांगना रानी जैसी महिलाओं की देश व समाज में भागीदारी को समझाया तथा डा० रानू पाटनी ने महिलाओं के स्वास्थ्य पर विचार रखे। वक्ताओं ने यह बताया कि आने वाली पीढ़ियाँ जान सकें कि हिंदुस्तान में विदेशी आक्रमणकारियों के विरुद्ध सशस्त्र स्वतंत्रता संग्राम की पहली मशाल एक जैन रानी ने जलाई थी । विनीता बोहरा के अनुसार जैन वीरांगना के सम्मान में यह आयोजन श्री अखिल भारतीय श्रमण संस्कृति महिला महा समिति भारत तथा श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति राजस्थान अंचल व संयुक्त महिला संभाग द्वारा आयोजित किया गया जिसमे इनके पदाधिकारियों , सदस्यों के साथ छात्रावास की बालिकाओ की उपस्थिति रही ।

श्री आदिनाथ दिगंबर जैन त्रिकाल चौबीसी दादाबाड़ी कोटा की प्रबंध कार्यकारिणी हुई घोषित

पारस जैन पार्श्वमणि. शाबाश इंडिया

कोटा। श्री आदिनाथ दिगंबर जैन त्रिकाल चौबीसी पुण्योदय अतिशय क्षेत्र नसियां जी दादाबाड़ी कोटा की प्रबंध कार्यकारिणी की घोषणा परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज के आशिर्वाद से की गई ।संस्था के परम संरक्षक राजेन्द्र हरसौरा ने जानकारी देते हुवे बताया कि समिति में निम्न सदस्यों को निर्वाचित किया गया:- निदेशक हुकम जैन काका,अध्यक्ष जम्बू जैन सर्राफ, उपाध्यक्ष धर्मचंद जैन धनोप्या एवं सुमित जैन से की, महामंत्री महेंद्र कासलीवाल, प्रशासनिक मंत्री पारस जैन दोराया एवं अर्चना जैन सर्राफ, सह मंत्री अशोक जैन (खादी वाले), डॉ मनोज बगडा एवं जयदीप अनोपडा,कोषाध्यक्ष मनीष जैन मोहिवाल,सह कोषाध्यक्ष महावीर बगडा, निर्माण मंत्री राज कुमार बाबरिया एवं सुनील जैन मडिया, भंडारी जयंत जैन मोहिवाल, जिनेन्द्र सबदरा एवं महावीर मित्तल, विधि सलाहकार हुकम जैन (एडवोकेट), अभिषेक कमेटी संयोजक अनुराग जैन टोंग्या एवं संजय दुगेरिया को बनाया गया। **कार्यकारिणी सदस्य :** राजेंद्र जैन गुड वाले,जय प्रकाश सबदरा, अर्पित जैन हरसौरा,अभिषेक गादिया, संदीप जैन गंगवाल, अंकित सेठिया आरोली,धनराज जैन जेठानीवाल, चितरंजन पोरवाल, नरेश ठग आवा वाले, मनीष जैन नगेदा, अंकित डूंगरवाल, दीपक हरसोरा (सोनू), सन्नी जैन बगडा, कपिल जैन सोगानी, विकास ठग, डा. संतोष जैन, मधू शाह, आशा श्रीमाल, छाया हरसोरा, कविता दुगेरिया, सुनीता नगेदा, इंद्रा बरमुंडा,प्रिया अग्रवाल, सुनीता जैन सबदरा, प्रीति लुहाडिया, प्रतिज्ञा (पिंकी) ठाई, सरिता ठग, प्रीति मोहिवाल, मंदिर समिति के निदेशक हुकम जैन काका ने बताया कि निर्वाचित नव कार्यकारिणी हमेशा क्षेत्र के विकास के लिए तत्पर रहेगी आगामी आने वाले समय में क्षेत्र को कैसे नए आयाम दिए जाए इस हेतु सभी सदस्यों मिलकर कार्य करेंगे।

अध्यक्ष जम्बू जैन सर्राफ बताया कि निर्वाचित सदस्य अपने सुझावों के माध्यम से मंदिर को ऊंचाइयां प्राप्त करवाएंगे सभी सदस्यों ने शपथ पत्र भरकर मंदिर समिति के विधान के प्रति अपनी सहमति एवं परम पूज्य गुरुदेव सुधा सागर जी महाराज के प्रति अपनी आस्था एवं निष्ठा व्यक्त की कोषाध्यक्ष मनीष जैन मोहिवाल ने सभी सदस्यों को माला पहनाकर स्वागत किया।

महामंत्री महेन्द्र कासलीवाल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

वाक्केशरी श्रमणाचार्य विनिश्चय सागर महाराज ससंघ पहुचे बीलवा के शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर

नंगमति माताजी से बीलवा के विमल परिसर में हुआ भव्य मिलन। मंगलवार को गोरधन नगर के वासुपूज्य दिगम्बर जैन मंदिर में होगा भव्य मंगल प्रवेश। श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर एवं मीरामार्ग कमेटी ने किया श्रीफल भेंट

जयपुर. शाबाश इंडिया। समाधिस्थ गणाचार्य विराग सागर महाराज के परम प्रभावक शिष्य वाक्केशरी श्रमणाचार्य विनिश्चय सागर महाराज ससंघ का सोमवार को दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा में आहार चर्या के बाद सैकड़ों श्रद्धालुओं के साथ शिवदासपुरा होते हुए जयपुर की ओर मंगल विहार हुआ। इससे पूर्व पदमपुरा में श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के प्राचार्य प्रसिद्ध विद्वान शीतल प्रसाद जैन ने श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर आगमन के लिए तथा मीरामार्ग के आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर के अध्यक्ष सुशील पहाडियाँ ने मंदिर में अल्प प्रवास के लिए श्रीफल भेट कर निवेदन किया। आचार्य श्री ससंघ का सोमवार सायंकाल 5.00 बजे बीलवा के श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में भव्य मंगल प्रवेश हुआ जहां गणिनी आर्यिका नंगमति माताजी ससंघ से भव्य मिलन हुआ ।रात्रि विश्राम नांगल्या के विमल परिसर में ही हुआ ।मंगलवार को आचार्य श्री ससंघ का गोरधन नगर के दिगम्बर जैन मंदिर वासुपूज्य में भव्य मंगल प्रवेश होगा। प्रवास समिति के महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक श्रमणाचार्य विनिश्चय सागर महाराज ससंघ का सोमवार को दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा में आहार चर्या के बाद शिवदासपुरा होते हुए जयपुर की ओर मंगल विहार हुआ। आचार्य श्री ससंघ का सोमवार सायंकाल 5.00 बजे बीलवा के श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में भव्य मंगल प्रवेश हुआ जहां गणिनी आर्यिका नंगमति माताजी ससंघ से भव्य मिलन हुआ ।रात्रि विश्राम भी यही हुआ ।आचार्य विनिश्चय सागर महाराज जयपुर प्रवास समिति के महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक मंगलवार 16 दिसम्बर को आचार्य विनिश्चय सागर महाराज ससंघ का प्रातः 7.30 बजे बीलवा के विमल परिसर स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर से मंगल विहार होकर प्रातः 9.00 बजे गोरधन नगर के दिगम्बर जैन मंदिर में भव्य मंगल प्रवेश होगा। टोंक रोड पर इण्डिया गेट से विशाल मंगल प्रवेश जुलूस रवाना होगा ।जो विभिन्न मार्गो से होता हुआ गोरधन नगर दिगम्बर जैन मंदिर पहुचे गा जहा धर्म सभा में आचार्य विनिश्चय सागर महाराज के मंगल प्रवचन होंगे। आहार चर्चा के बाद सामायिक होगी। विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक आचार्य श्री ससंघ का जयपुर महानगर में विभिन्न दिगम्बर जैन मंदिरों में अल्प प्रवास के बाद दिल्ली होते हुए करनाल के लिए मंगल विहार होगा।

जैन तीर्थंकर चन्द्र प्रभू एवं पार्श्वनाथ जयन्ती पर जैन मंदिरों में गूंजे जयकारे

भक्ति भाव से मनाया जैन धर्म के आठवें तीर्थंकर भगवान चन्द्र प्रभू एव 23 वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का 2902 वां जन्म कल्याणक व तप कल्याणक दिवस

कोटखावदा। जैन धर्म के आठवें तीर्थंकर भगवान चन्द्र प्रभू एवं 23 वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का जन्म व तप कल्याणक दिवस सोमवार, 15 को भक्ति भाव से मनाया गया ।इस मौके पर कस्बें सहित जिलें के दिगम्बर जैन मंदिरों में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन किये गये ।राजस्थान जैन सभा जयपुर के उपाध्यक्ष विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि भगवान पार्श्वनाथ का 2902 वां जन्म कल्याणक महोत्सव के मौके पर प्रातः दोनों तीर्थंकरो के अभिषेक के बाद विश्व में सुख शांति और समृद्धि की कामना करते हुए शांतिधारा की गई ।तत्पश्चात श्री जी की पूजा अर्चना की जाकर पूजा के दौरान मंत्रोच्चार के साथ भगवान चन्द्रप्रभू का जन्म कल्याणक श्लोक कलि पौष इकादशि जन्म लयो, तब लोकविषै सुख थोक भयो।सुरईश जजें गिरशीश तबै, हम पूजत है नुतशीष अबै।।" बोलकर जन्म कल्याणक अर्घ्य चढाया गया ।

श्री चंद्रप्रभ भगवान के जन्मोत्सव पर भव्य आयोजन

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। श्री दिगंबर जैन तेरापंथी मंदिर, शक्कर बाजार स्थित अति प्राचीन, चमत्कारी, मनोज्ञ , मनोहारी, प्राकृतिक स्फटिक मणि की भारत वर्ष की सबसे बड़ी श्री चंद्रप्रभ भगवान की प्रतिमाजी के वार्षिक अभिषेक एवं मन्दिर जी के शिखर पर ध्वजा चढ़ाने का भव्य आयोजन सम्पन्न हुआ।

अध्यक्ष श्री प्रदीप चौधरी ने बताया कि बड़ी संख्या मे श्रद्धालुओं ने इस अवसर पर धर्म लाभ लिया। प्रथम कलश एवं मुख्य ध्वजा चढ़ाने का सौभाग्य तेजकुमार ललितकुमार बड़जात्या गौरव ज्वैलर्स परिवार ने प्राप्त किया। ललित चिराग गोधा परिवार, चौधरी परिवार, प्रांजल जैन, जैन मेडिकल, नितिन सेठी, सत्येंद्र रावका आदि ने भी इस अवसर पर पुण्य लाभ कमाया। इस अवसर पर दो दिवसीय आयोजन मे श्री चंद्रप्रभ विधान, श्री पार्श्वनाथ विधान एवं श्री भक्तामर पाठ संपन्न हुए।

चन्द्रप्रभ व पार्श्वनाथ भगवान का जन्म व तप कल्याणक मनाया गया धुलियान में

धुलियान मुर्शिदाबाद पश्चिम बंगाल.पौष कृष्ण एकादशी को श्री 1008 भगवान महावीर दिगंबर जैन मंदिर धुलियान में तीनलोक के नाथ 8वे तीर्थंकर देवाधिदेव चन्द्रप्रभ भगवान व 23वे तीर्थंकर देवाधिदेव पार्श्वनाथ भगवान का जन्म व तप कल्याणक का अर्घ हर्षोल्लास के साथ चढ़ाया गया तथा सांय को चन्द्रप्रभ चालीसा व पार्श्वनाथ चालीसा पाठ का कार्यक्रम हुआ ।संजय कुमार जैन बड़जात्या

भगवान चन्द्रप्रभजी भगवान पार्श्वनाथ जी के जन्म तप कल्याणक महोत्सव का आयोजन

गणिनी आर्यिका श्री 105 सरस्वती माताजी का 32वां दीक्षा दिवस समारोह दुर्गापुरा में सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभजी दुर्गापुरा में भगवान चन्द्रप्रभजी भगवान पार्श्वनाथ जी के जन्म तप कल्याणक महोत्सव के पावन अवसर पर वार्षिकोत्सव एवम् गणिनी आर्यिका श्री 105 सरस्वती माताजी का 32वां दीक्षा दिवस सोमवार दिनांक 15.12.2025 को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चन्द चांदवाड व मंत्री राजेन्द्र काला ने बताया कि प्रथम अभिषेक शांतिधारा करने का पुण्यार्जन जी.सी. जैन श्रीमती विशल्या देवी बडजात्या परिवार ने प्राप्त किया। आकाश जैन के संगीत के साथ चन्द्रप्रभ विधान पूजा सौधर्म इन्द्र इन्द्राणी महेन्द्र कुमार जी श्रीमती निर्मला देवी सेठी ने इन्द्र इन्द्राणियों के साथ भक्ति भाव के साथ पंडित अजित जैन आचार्य ने सम्पन्न कराई। जैन भारती 2025 परिवार परिचय पुस्तिका षष्ठम पुष्प का लोकार्पण गणिनी आर्यिका श्री 105 सरस्वती माताजी ससंघ के सानिध्य में किया गया। इसमें विमल कुमार गंगवाल, यश कमल अजमेरा के साथ सम्पादक मंडल व सभी ट्रस्टीजन की उपस्थिति रही। गणिनी आर्यिका श्री 105 सरस्वती माताजी का 32वां दीक्षा दिवस समारोह में पाद प्रक्षालन करने का सोभाग्य श्रीमती आशा जी जैन गर्ग परिवार ने, शास्त्र भेंट करने का पुण्यार्जन श्रीमती मंगला देवी जी बडजात्या व श्रीमती प्रेम देवी जी गंगवाल परिवार ने प्राप्त किया। महिला मंडल की अध्यक्ष रेखा लुहाड़िया मंत्री रानी सौगानी ने सदस्याओं के साथ गुरु मां की भक्ति भाव से संगीत की स्वर लहरियों में भक्ति नृत्य के साथ पूजा सम्पन्न कराई। गणिनी आर्यिका श्री के आशीर्वचन के बाद जिनवाणी स्तुति की गई। ट्रस्ट के मंत्री ने कार्यक्रम के पुण्याजक परिवारजनों, महिला मण्डल व भोजन व्यवस्था के सहयोगियों व समाज को धन्यवाद् देते हुए आभार व्यक्त किया।

शांति नगर मंदिर में भगवान श्री चंद्रप्रभ एवं पार्श्वनाथ भगवान का जन्म एवं तप कल्याणक दिवस धूमधाम से मनाया गया

जयपुर. शाबाश इंडिया

पोष बदी ग्यारस, 15 दिसंबर सोमवार को भगवान श्री चंद्रप्रभ और श्री पार्श्वनाथ भगवान के जन्म एवं तप कल्याणक दिवस पर शांति नगर जैन समाज के श्रावको द्वारा 1008 कलशो से महामस्ताकाभिषेक करके भक्ति भाव से मनाया गया। समस्त समाजजनों के सहयोग, श्रद्धा और एकजुट सहभाग से संपन्न हुआ यह पावन अभिषेक महोत्सव का सफल आयोजन हुआ।भक्ति, अनुशासन और सामूहिक समर्पण का जो अद्भुत दृश्य इस आयोजन में देखने को मिला,वह समाज की एकता और आध्यात्मिक चेतना का जीवंत प्रमाण है। इस पुण्य अवसर पर सौधर्म इन्द्र बनने का सौभाग्य बसंत एवं अतिव बाकलीवाल तथा चतुष्कोण कलशों के सौभाग्यशाली लाभार्थी ईशान इन्द्र त्रिलोकचंद ऋषि निगोतिया, सनत्कुमार इन्द्र विरेन्द्र मनीष अजमेरा झिलाई वाले, माहेन्द्र इन्द्र सुशील एवं यश गोधा, कुबेर इन्द्र विनय कुमार एवं सिद्धार्थ कोठारी को प्राप्त हुआ। सभी ईंद्रो के इस अनुपम पुण्य की हम हृदय से अनुमोदना करते हैं। साथ ही, उन सभी समाजजनों को कोटिशः धन्यवाद,जिन्होंने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर,अपने भाव, समय और सहभाग से इस आयोजन को आध्यात्मिक ऊँचाइयों तक पहुँचाया। आप सभी की यही सहभागिता, यही श्रद्धा और यही ऊर्जा प्रत्येक धार्मिक आयोजन को और दिव्य, भव्य और ऐतिहासिक बनाती है। सुशील गोधा अध्यक्ष के अनुसार मंदिरजी के इतिहास में पहली बार श्रावको द्वारा 1008 रिद्धि मंत्रों द्वारा 1008 कलशो से अभिषेक किये गये। सौधर्म ईंद्र एवं चतुष्कोण ईंद्रो द्वारा शांति धारा के पश्चात मंदिरजी के शीखर पर ध्वजारोहण किया गया। रविवार को पूर्व संध्या पर रिद्धि मंत्रों द्वारा 48 दीपकों से भक्तामर स्त्रोत के पाठ किए गए । सुनील बिलाला,मंत्री ने बताया कि इस अवसर सांयकाल महाआरती का कार्यक्रम रखा गया, जिसमें प्रत्येक परिवार को अपने घर से कम से कम एक दीपक लेकर आना था। महाआरती में उपस्थित श्रद्धालुओं में से लक्की ड्रा द्वारा 3 पुरस्कार दिए गए ।

श्री चंद्रप्रभु दि जैन मंदिर शांति नगर

वाक्केशरी श्रमणाचार्य विनिश्चय सागर महाराज की अष्ट द्रव्य से की पूजा अर्चना - स्वर्ण एवं रजत कलश से किया पादपक्षालन - हुआ पिच्छीका परिवर्तन

जयपुर. शाबाश इंडिया

वाक्केशरी श्रमणाचार्य विनिश्चय सागर महाराज का 28 वां संयम दीक्षा महोत्सव दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा में मनाया गया आचार्य विनिश्चय सागर महाराज जयपुर प्रवास समिति के महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि समाज श्रेष्ठी धर्म चन्द राकेश, लोकेश लुहाड़िया आकोदा वालों ने ध्वजारोहण किया। मुनि भक्त वीर चन्द गजेन्द्र, प्रवीण विकास बडजात्या, राजेश - सीमा अजमेरा वैशाली नगर वालों ने दीप प्रज्जवलन किया । दिव्या बाकलीवाल, तन्वी जैन, आयुषी वैशाली, पायल टीम के नृत्य सहित मंगलाचरण के बाद समाज श्रेष्ठी अशोक- शकुन्तला, अंकित- प्रियंका चांदवाड ने स्वर्ण कलश से तथा मंयक - विजया सावला ने रजत कलश से वाक्केशरी श्रमणाचार्य विनिश्चय सागर महाराज का पाद पक्षालन किया। इस मौके पर श्रद्धालुओं ने अष्ट द्रव्य से संगीतमय पूजा की। तत्पश्चात सुरेन्द्र - सुनिता हल्देनियां, अनिल पुलकित लुहाड़िया, आशीष जैन परिवार ने आचार्य श्री को मुख्य शास्त्र भेंट किया। समाज श्रेष्ठी अशोक - प्रेम लता बाकलीवाल, पुष्पा, कुलदीप सोनी, कुसुम अभिषेक साखूनियां, मनीष - संतोष बगडा, प्रदीप - सुन्दर काला, डॉ.अजीत जैन, शांति जैन द्वारा सभी मुनिराजो को जिनवाणी भेंट की गई । इस मौके पर मुनि प्रांजल सागर, प्रवीर सागर, प्रत्यक्ष सागर, प्रज्ञान सागर, प्रसिद्ध सागर महाराज के मंगल प्रवचन हुए। मुख्य संयोजक प्रदीप जैन, पदम बिलाला, डॉ विमल कुमार जैन एवं चेतन जैन निमोडिया ने बताया कि सायंकाल 28 थालियों में 28 दीपकों से आचार्य श्री की संगीतमय महाआरती की गई ।इससे पूर्व आचार्यश्री को सीए शुभम जैन, अंकित सोनी एवं पुलकित लुहाड़िया द्वारा नई पिच्छीका भेंट की गई। पुरानी पिच्छीका मुनि भक्त सुरेन्द्र - सुनिता जैन हल्देनियां को मिली। पदमपुरा कमेटी के मानद् मंत्री हेमन्त सोगानी ने फरवरी माह में होने वाले पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव की जानकारी दी। मंच संचालन मुनि प्रांजल सागर ने किया विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक जयपुर से विभिन्न कालोनियों से 21 बसों एवं सैकड़ों चार पहिया एवं दो पहिया वाहनों द्वारा हजारों श्रद्धालु पदमपुरा पहुंचें। आयोजन में जयपुर, कोटा, टौक, रामगंज मण्डी, निवाई, नैनवा,शिवाड, चाकसू, कोटखावदा, झांसी, दिल्ली सहित अन्य स्थानों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। जिनवाणी स्तुति से समापन हुआ। मुख्य संयोजक पदम बिलाला एवं डॉ विमल कुमार जैन तथा पदमपुरा क्षेत्र कमेटी के अध्यक्ष सुधीर जैन एवं मानद् मंत्री हेमंत सोगानी ने बताया कि धर्म सभा के मौके पर ज्ञान चन्द झांझरी, उमरावमल संघी, पार्षद पारस जैन, महावीर अजमेरा, राज कुमार कोठ्यारी, प्रदीप जैन, विनोद जैन कोटखावदा, पदम चन्द बिलाला, डॉ विमल कुमार जैन, महेश काला, जे एम जैन, चेतन जैन निमोड़िया, ज्ञान चन्द झांझरी, अशोक बाकलीवाल, निर्मल पाटोदी,सुरेन्द्र जैन, कुलदीप सोनी, पुलकित जैन, सीए शुभम जैन हल्देनिया ,नितिन जैन हल्देनिया , अंकित जैन, गजानन्द काला, दीपिका जैन कोटखावदा, प्रेम लता बाकलीवाल पुष्पा सोनी, कुसुम साखूनियां, सुनिता हल्देनिया,श्रुति सोनी, मीनू निमोडिया, वैशाली सोनी, तन्वी जैन आदि शामिल हुए।

-विनोद जैन कोटखावदा